ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:23.08.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2024-08-23 (अगले5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	24/08/2024	25/08/2024	26/08/2024	27/08/2024	28/08/2024
वर्षा (मीमी)	57.0	60.0	65.0	70.0	67.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	30.0	31.0	32.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	21.0	21.0	19.0
अधिकतम सापेक्षिकआर्द्रता(%)	97	96	93	97	96
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	71	77	79	74
हवा की गति (किमी प्रतिघंटा)	5	6	5	8	6
पवन दिशा (डिग्री)	320	350	50	50	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	6	6

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में मध्यम से भारी वर्षा 57-70 मिमी और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0-32.0oC और 19.0-21.0oC के बीच रहने की भविष्यवाणी की गई है। 5-8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दक्षिण-पश्चिम और पूर्व से हवा चलने की उम्मीद है। 23 से 29 अगस्त तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 23 से 29 अगस्त, 2024 तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश / गरज के साथ बिजली गिरने / तीव्र से बहुत तीव्र बारिश की घटना के संबंध में पीली चेतावनी दी गयी है।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध "दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 23.08.2024 से 29.08.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, मध्यम से भारी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और खेती के तरीकों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	वानस्पतिक	धान में कहीं-हींकहीं पर बैक्टीरिया जनित झुलसा रोग का प्रकोप देखा जा रहा है। जिन खेतों में पंक्तियों के अगले भाग सूखकर सफेद हो गये हों या पंक्तियो के दोनों किनारे ऊपर से नीचे की ओर सूखते हुये सफेद हो रहे हों वहाँ खेतों में काॅपर ओक्सीक्लोराइड 500ग्राम तथा स्टेपटोसाइक्लिन 15ग्राम, 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिकाव करें। छिड़काव करने के पूर्व खेत से पानी निकाल दें तथा यूरिया का प्रयोग न करें। छिड़काव 7-10 दिन के अंतराल पर करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
मक्का	वानस्पतिक	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
रागी	वानस्पतिक	फसलों की निगरानी करते रहे और आवश्यकता अनुसार निराई-गुड़ाई करें। खेत में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और सभी कृषि गतिविधियों पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए।
गना वानस्पतिक	गना वानस्पतिक	मैदानी क्षेत्रों में, सफ़ेद गिडार/ कुरमुला कीट के नियंत्रण हेतु फिप्रोनिल 40 प्रतिशत तथा इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लू जी को 200 ग्राम/प्रति एकड़ की दर से 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में प्रयोग करें। जल भराव की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और विशेष रूप से रासायनिक अनुप्रयोग पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन/शिमला मिर्च	तुड़ाई	फसलों की निरंतर तुड़ाई की जानी चाहिए और खेत में उचित जल निकासी बनाए रखनी चाहिए।
फूलगोभी	रोपाई	गोभी, फूलगोभी, ब्रोकोली और नोल-खोल की शुरुआती किस्मों के साथ-साथ मूली और शलजम जैसी जड़ वाली फसलों का प्रत्यारोपण मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में किया जा सकता है, लेकिन खेत में पर्याप्त नमी के बाद ही किया जा सकता है। पूर्वानुमानित वर्षा

		के अनुसार उचित जल निकासी के उपाय किए जाने चाहिए।
फ्रेंच बीन/लोबिया	फली बनना	फ्रेंच बीन/लोबिया में सफेद सड़न को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर का छिड़काव करना चाहिए। कृषि कार्यों को पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोेटूघोेटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।